मेरो तो गिरधर गोपाल दुसरो न कोई

मेरो तो गिरधर गोपाल दुसरो न कोई
दुसरो न कोई मेरो दुसरो न कोई
मेरो तो गिरधर गोपाल दुसरो न कोई

जाके सिर मोर मुकट मेरो पति सोही
तात मात द्यात बंधू अपनों नही कोई
मेरो तो गिरधर गोपाल दुसरो न कोई

छाल दई कुल की कहानी क्या कई है कोई
संतत डिग बेठी बेठी लोक लाज खोई
मेरो तो गिरधर गोपाल दुसरो न कोई

चुनरी के किये टूक ओड लीनी लोई
मोती मुंगे उतार बन माला पोई
मेरो तो गिरधर गोपाल दुसरो न कोई

असुवन जल सींच सींच प्रेम वेळी होई
अब तो वेळ फ़ैल गई आनंद फल होई
मेरो तो गिरधर गोपाल दुसरो न कोई

दूध की मखनिया बड़े प्रेम से बिलोई
माखन जब काद लियो छाज पिए कोई
मेरो तो गिरधर गोपाल दुसरो न कोई

आई मैं भगत काज जगत देख रोई
दासी मीरा गिरधर प्रभु तारो अब मोरी
मेरो तो गिरधर गोपाल दुसरो न कोई

Source: https://www.bharattemples.com/mero-to-girdhar-gopal-dusro-na-koi/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw